CBSE Class 12 Hindi Core 2004 - Set 2/2

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

Time Allowed: 3 Hours **Maximum Marks: 100**

General Instructions

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 14 मुख्य प्रश्न हैं।

(ii) उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के साथ दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।

Questions

1(क). निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
काहे रे बन खोजन जाई ।
सर्व निवासी सदा अलेपा तोहि संग समाई ।।
पुहुप मध्य ज्यौं बास बसत है मुकुर माँहि जस छाँई ।
तैसे ही रहि बसै निरंतर घट ही खोजो भाई ।।
बाहर भीतर एकै जानौ यह गुरु ज्ञान बताई ।
भन 'नानक' बिन आपा चीन्हे मिटे न भ्रम की काई ।।

1(ख). निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
ये ऊगी बिन ऊगी फ़सलें
तेरी प्राण कहानी
हर रोटी ने, रक्त बूँद ने
तेरी छवि पहचानी ।
वायु तुम्हारी उज्ज्वल गाथा
सूर्य तुम्हारा रथ है,
बीहड़ काँटों भरा कीचमय
एक तुम्हारा पथ है।
यह शासन, यह कला, तपस्या
तुझे कभी मत भूलें ।
ये अनाज की पूलें
तेरे काँधे झूलें ।

1(ग). निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
मैंने उसको
जब-जब देखा
लोहा देखा
लोहे जैसा
तपते देखा
गलते देखा
ढलते देखा
मैंने उसको
गोली जैसा
चलते देखा ।

2(क). निम्नलिखित काव्यांश का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए :
अवधि गई अजहूँ नहिं आए, कतहुँ रहे चित चोर ।।
कबहूँ नैन निरख नहिं देखे, मारग चितवत तोर ।।
दादू ऐसे आतुर बिरहणि, जैसे चंद चकोर ।।

2(ख). निम्नलिखित काव्यांश का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए :
शाम को जब मैं
बस के फुटबोर्ड पर टँगा-टँगा घर आता हूँ
तब मेरा पिट्ठू
चाँदनी की बाँहों में बाँहें डाले
मुगल-गार्डेंस में टहलता रहता है !

2(ग). निम्नलिखित काव्यांश का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए :
थकी शीतल हवा ने
शीश मेरा उठा कर,
चुपचाप अपनी गोद में रक्खा,
और जलते हुए मस्तक पर
काँपता-सा हाथ रख कर कहा :
"सुनो, मैं भी पराजित हूँ ।"

3(क). 'कबहुँक हौं यहि रहनि रहौंगो' पद के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कवि किस प्रकार का जीवन जीने की इच्छा प्रकट करता है।

3(ख). 'जागो फिर एक बार' कविता के सन्देश को अपने शब्दों में लिखिए।

3(ग). 'जड़ की मुसकान' कविता के आधार पर जड़ की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

4(क). प्रस्तुत गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
"हे कलाकार, तुम तो जानते हो, राजनीति में केवल दो ही वर्ण होते हैं : एक सफ़ेद, एक काला। सफ़ेद अपने काले पर पोतने के लिए, काला औरों के सफ़ेद पर पोतने के लिए। कला-नीति में ऐसा नहीं होता। वहाँ तो वर्ण नहीं, रंग होते हैं : विविध रंग। कला-नीति में तो काला भी उतना ही सुन्दर है जितना कोई और रंग। काला राजनीति में कौआ है तो कला-नीति में कोकिल।"

4(ख). प्रस्तुत गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
देशप्रेम यदि 'आत्मा की घटना' है, तो वह सिर्फ एक ऐसी संस्कृति में पल्लवित होती है, जहाँ 'स्पेस' और 'स्मृति' अंतर्गुफित हो सकें। मनुष्य और पशु के संबंध की बात तो अलग रही, उन चीज़ों का परस्पर संबंध भी बहुत गहरा हो, जो ऊपर से अजीवंत दिखाई देते हैं ... पत्थर, नदी, पहाड़, पेड़ .... आपस में किंतु अपने अंतर्संबंधों में वे एक जीवंत पवित्रता का गौरव, एक तरह की धार्मिक संवेदना ग्रहण कर लेते हैं।

4(ग). प्रस्तुत गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
जीवन में देह है, जीवन में आत्मा है। देह है नाशशील और आत्मा है शाश्वत, तो आत्मा को हिलना-झुकना नहीं है और देह को निरंतर हिलना-झुकना ही है; नहीं तो हम हो जाएँगे रामलीला के रावण की तरह, जो बाँस की खपच्चियों पर खड़ा रहता है — न हिलता है, न झुकता है। हमारे विचार लचीले हों, परिस्थितियों के साथ वे समन्वय साधते चलें, पर हमारे आदर्श स्थिर हों।

5(क). 'नदी बहती रहे' निबन्ध के लेखक ऐसा क्यों कहते हैं कि भारत की नदियाँ अब मोक्षदायिनी नहीं रह गई हैं ? सोदाहरण उत्तर दीजिए।

5(ख). 'तत्सत्' कहानी में "दुःख से मेरी बहुत बनती है" घास के इस कथन के अभिप्राय को स्पष्ट कीजिए।

5(ग). "प्रत्येक देश की एक निजी सांस्कृतिक विशेषता होती है।" — इस कथन का स्पष्टीकरण 'यह देश एक है' पाठ के आधार पर कीजिए।

6. महादेवी वर्मा अथवा जैनेन्द्र कुमार के जीवन, रचनाओं और भाषा-शैली का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7(क). 'अरुमुगम' को वीर चक्र क्यों प्रदान किया गया ?

7(ख). 'प्रेरक प्रसंग' पाठ के आधार पर रमन की स्वभावगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

7(ग). 'मूँगा गूँगा' का नाम 'गूँगा तैराक' कैसे पड़ गया ?

7(घ). हिन्दी भाषा के विषय में पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर के विचारों को प्रस्तुत कीजिए।

8(क). "फूलों से नाता बनाए रखो, परन्तु मिट्टी से तोड़कर नहीं।" 'रानी लक्ष्मीबाई' उपन्यास में यह वाक्य किसने, किनको, किस समय कहा है ?

8(ख). "नाटकशाला में जो हथियार बनते चलते हैं, क्या उनसे अंग्रेज़ नहीं हटाए जा सकते थे ?" इस कथन के संदर्भ को बताते हुए इसके अभिप्राय को स्पष्ट कीजिए।

9. "मेरी दासी कोई भी नहीं होगी। मेरी सखी-सहेली होकर रहेगी।" 'रानी लक्ष्मीबाई' के इस कथन के आधार पर उनका चरित्र-चित्रण कीजिए।

10(क). किन्हीं दो में सन्धि-विच्छेद कीजिए : उज्ज्वल, अन्वेषण, विषयानुरूप ।

10(ख). किन्हीं दो में सन्धि कीजिए : उत् + लेख, फणि + ईश्वर, महा + उदधि ।

10(ग). किन्हीं दो पदों का समास-विग्रह कर समास का नाम भी बताइए : हाथोंहाथ, लम्बोदर, सुख-दुःख ।

11(क). नीचे लिखे वाक्यों में से किन्हीं दो के शुद्ध रूप लिखिए :
(i) हम हमारे देश की सेवा करें ।
(ii) हम हृदय से आपका हार्दिक स्वागत करते हैं ।
(iii) कल वहाँ एक लड़का और लड़की खड़ी थी ।

11(ख). नीचे लिखे वाक्यों में यथास्थान सही विराम-चिह्न लगाइए :
(i) हे कवि आप कहाँ रहते हैं
(ii) सुनो सुबह जल्दी उठा करो

12(क). महानगरों में जो सभ्यता फैली है, वह छिछली और हृदयहीन है। लोगों के पारस्परिक मिलन के अवसर तो बहुत हो गए हैं, मगर इस मिलन में हार्दिकता नहीं होती, मानवीय सम्बन्धों में घनिष्ठता नहीं आ पाती। दफ़्तरों, ट्रामों, बसों, रेलों, सिनेमाघरों, सभाओं और कारखानों में आदमी हर समय भीड़ में रहता है, मगर इस भीड़ के बीच वह अकेला होता है। मनुष्य के लिए मनुष्यत्व के भीतर पहले जो माया, ममता और सहानुभूति के भाव थे, वे अब लापता होते जा रहे हैं। देशों की पारस्परिक दूरी घट गई है, लेकिन आदमी और आदमी के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है।
उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

12(ख). महानगरों की सभ्यता को हृदयहीन क्यों कहा गया है ?

12(ग). महानगरों की भीड़ में मानव अकेला क्यों है ?

12(घ). "देशो की आपसी दूरी जितनी घट रही है, आदमी और आदमी की दूरी उतनी ही बढ़ रही है" इस दूरी की वृद्धि के कारणों का उल्लेख कीजिए।

13. आपकी बस्ती में परिवहन, स्वास्थ्य, सफ़ाई आदि नागरिक सुविधाओं का अभाव है। किसी प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर इन असुविधाओं की ओर ध्यान आकृष्ट कीजिए।

OR

13. भारतीय स्टेट बैंक की जोधपुर शाखा को कुछ कार्यालय-सहायकों की आवश्यकता है। बैंक के मैनेजर को इस पद के लिए आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :
(क) प्रदूषण की समस्या
(ख) सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्ताँ हमारा
(ग) नारी और नौकरी
(घ) भ्रष्टाचार का दानव
(ङ) नर हो, न निराश करो मन को

- End of Question Paper -